पनसंकुलन के प्रभाव को नियंत्रित करना
(Controlling the effects of Crowding)

पनसंकुलन का प्रभाव सदैव नकारात्मक ही अधिक होता है। इसलिए पर्यावरणीय मनोवैज्ञानिकों ने इसे नियंत्रित करने के लिए कुछ निम्नांकित प्रमुख उपाय बतलाये हैं, जो इस प्रकार हैं—

→ व्यक्तियों द्वारा प्रयोग में लाये जाने वाले भवन या भवन का स्वरूप कुछ ऐसा हो कि व्यक्ति को उसे उपयोग करने में कोई विशेष कठिनाई न हो। वह अपनी आवश्यकतानुसार उसमें आवश्यक परिवर्तन कर सकने में सक्षम हो।

→ भवन निर्माणकर्ता या डिजाइनर को स्थान का इस ढंग से निर्माण करना चाहिए कि सब उसमें अधिक लोग एकत्रित होकर कार्य करें तो भी पनसंकुलन का अनुभव न हो।

→ कुछ मनोवैज्ञानिकों का सुझाव यह है कि भवन में चमकीले रंगों, तस्वीरों तथा अच्छे दिवाल पर पोस्टरों आदि का पर्याप्त प्रयोग होना चाहिए ताकि सब लोग वहाँ

Scanned with CamScanner

एकत्रित होकर कोई कार्य करें तो उनका ध्यान एकत्रित व्यक्तियों पर कम तथा वहाँ के पर्यावरण पर अधिक हो। ऐसा होने पर व्यक्ति में जनसंकुलन का भाव स्वतः ही कम हो जाएगा।

इस प्रकार, मनोवैज्ञानिकों द्वारा जनसंकुलन के प्रभाव को कम करने के लिए अनेक सुझाव दिये गये हैं जिनका अनुसरण करने से जनसंकुलन के नकारात्मक प्रभाव को बहुत ज्यादा तो नहीं परंतु कुछ हद तक आवश्य ही नियंत्रित किया जा सकता है।

8
9
10
11